



अजिंक्ये रहाणे ने अपने आक्रामक तेवरों के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में इस बार सभी को चौंकाया है और उन्होंने इसका श्रेय चेन्नई सुपर किंग्स के करिश्माई कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को दिया। रहाणे ने कहा, "मैं आपको एक ही चीज कह सकता हूँ... मैंने

वास्तव में अपनी पारी का भरपूर आनंद लिया। मैं वास्तव में बहुत खुश हूँ कि हमने यह मैच जीता।" रहाणे ने धोनी को श्रेय देते हुए कहा कि उन्हें केवल मौके की जरूरत थी और भारत के विश्वकप विजेता कप्तान ने उन्हें फॉर्म में वापसी के लिए यह मौका दिया।

क्या आप जानते हैं? ... अपनी टेस्ट जीवन की पहली श्रृंखला में सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड भारत के सुनील गावस्कर के नाम है। गावस्कर ने 1970-71 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 774 रन बनाए।

एशिया कप से बाहर हो सकता है पाकिस्तान

श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान हाइब्रिड मॉडल पर सहमत नहीं



लाहौर, 7 जून। सितंबर में होने वाले एशिया कप से पाकिस्तान बाहर हो सकता है। श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान के हाइब्रिड मॉडल में आयोजन करने से मना कर देने के बाद पाकिस्तान के पास एशिया कप से बाहर जाने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचा। दरअसल एशिया कप की मेजबानी इस बार पाकिस्तान के पास थी, लेकिन सुरक्षा कारणों से भारत ने पाकिस्तान जाने से मना कर दिया। इसके बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने हाइब्रिड मॉड में यानी 3-4 मैच पाकिस्तान और बाकी के किसी और देश में कराने की योजना पेश की, लेकिन श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान इसके लिए तैयार नहीं हुए। हालांकि उन्होंने पाकिस्तान से बाहर अन्य किसी एशियाई देश को एशिया कप की मेजबानी देने पर सहमति जता दी है। अध्यक्ष नजम सेठी क्रिकेट मैनेजमेंट कमेटी और सरकारी अधिकारियों के संपर्क में हैं। सेठी कहते रहे हैं कि अगर पाकिस्तान में एशिया कप का कोई भी मैच नहीं खेला जाता है तो पाकिस्तान एशिया कप नहीं खेलेगा। संभव है कि यह आयोजन अब श्रीलंका में हो। पाकिस्तान के इस टूर्नामेंट में नहीं खेलने पर एशिया कप के प्रसारणकर्ता दोबारा से प्रसारण की शर्त और कीमतें तय करेंगे।

सिंगापुर ओपन : सात्विक-चिराग पहले चरण में उलटफेर का शिकार

सिंगापुर, 7 जून। सात्विक-साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेठ्टी की भारतीय पुरुष युगल जोड़ी बुधवार को सिंगापुर ओपन 2023 के पहले चरण में जापान के अकीरा कोगा और टाडची साइतो से हारकर प्रतियोगिता से बाहर हो गयी। कोगा-साइतो ने 68 मिनट चले मुकाबले में सात्विक-चिराग को 21-18, 14-21, 21-18 से हराकर उलटफेर का शिकार किया। यह सात्विक-चिराग के खिलाफ जापानी युगल का दूसरा मुकाबला था और उन्होंने इस बार पिछली हार का हिसाब चुकता कर लिया। दूसरी ओर, त्रिशा जॉली और गायत्री पुलेला गोपीचंद की महिला युगल जोड़ी को भी पहले चरण में हॉंग कॉन्ग की यूंग एनजीए टिंग और यूंग डू लाम के हाथों हार का सामना करना पड़ा। भारतीय जोड़ी ने पहला गेम गंवाने के बाद कड़ा संघर्ष किया, लेकिन वह 66 मिनट चले मुकाबले में 14-21, 21-18, 19-21 को हार नहीं टाल सकी। सिंगापुर ओपन में गुरुवार को किदांबी श्रीकांत और प्रियांशु राजावत पुरुष एकल के दूसरे चरण में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। एमआर अर्जुन और श्रुव कपिला की भारतीय जोड़ी पुरुष युगल प्रतियोगिता में अपना अभियान आगे बढ़ाएंगी।

भारतीय पैडल संघ से जुड़े पुलेला गोपीचंद

बेंगलूर, 7 जून। तेजी से विकसित हो रहे खेल पैडल को भारत में बढ़ावा देने के लिये भारतीय पैडल संघ (आईपीएफ) ने दिग्गज वेडमिंड खिलाड़ी और कोच पुलेला गोपीचंद को अपना सलाहकार नियुक्त किया है। संघ ने बुधवार को इस साझेदारी की घोषणा करते हुए एक विज्ञित में कहा कि वह इस खेल को दुनिया में अभूतपूर्व ऊंचाईयों तक ले जाने के लिये तैयार है। गोपीचंद ने इस साझेदारी पर कहा, "मैं एक सलाहकार के रूप में भारतीय पैडल संघ से जुड़कर रोमांचित हूँ। पैडल जबरदस्त क्षमता वाला एक रोमांचक खेल है, और मैं इसे नयी उचाईयों तक ले जाने के लिये अनुभव का उपयोग करने के लिये प्रतिबद्ध हूँ। इस साझेदारी के माध्यम से हमारा उद्देश्य एक जीवंत पारिस्थितिकी तंत्र बनाना, प्रकृता का पोषण करना और पैडल खिलाड़ियों को एक नई पीढ़ी को प्रेरित करना है।" दुनिया भर में तेजी से विकसित हो रहे खेल पैडल ने इससे पहले बीडब्ल्यूएफ विव्थ वेडमिंड की चैंपियनशिप की पूर्ण काल्पनिक विजेता सुप्रिया देवगन का ध्यान आकर्षित किया था, जो अब एक प्रमुख बोर्ड सदस्य के रूप में आईपीएफ में शामिल है।

फ्रेंच ओपन : सेमीफाइनल में पहुंची हद्दाद मैया, स्विघातेक

पेरिस, 7 जून। बीट्रिज़ हद्दाद मैया बुधवार को क्वार्टरफाइनल में ट्यून्यूनीशिया की ओन्स जब्बर को हराकर फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश करने वाली पहली ब्राजीलियन महिला बन गयीं। कोर्ट फिलिप चैट्टियर पर खेले गये मुकाबले में हद्दाद मैया ने जब्बर को दो घंटे 29 मिनट में 3-6, 7-6(5), 6-1 से मात दी। सेमीफाइनल में हद्दाद मैया का सामना गुरुवार को पोलैंड की इगा स्विघातेक से होगा, जो एकतरफा क्वार्टरफाइनल में अमेरिका की कोको गौफ को 6-4, 6-2 से हराकर आ रही है। हद्दाद मैया किसी ठोड़ स्लैम आयोजन के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली दूसरी ब्राजीलियन महिला भी हैं। ओपन एर में उनसे पहले सिर्फ मारिया बुगुनो (1968) ने अमेरिकी ओपन के सेमीफाइनल में ब्राजील का प्रतिनिधित्व किया है। रोला गैरी से पहले हद्दाद मैया ने न तो किसी ठोड़ स्लैम प्रतियोगिता के दूसरे चरण से आगे कदम रखा था और न ही जब्बर के खिलाफ एक भी सेट जीता था। क्वार्टरफाइनल के पहले सेट में भी जब्बर ने ही बाजी मारी, लेकिन हद्दाद मैया ने शादार वापसी करते हुए जीत अपने नाम कर ली। पहला सेट गंवाने के बाद हद्दाद मैया ने मजबूत सर्विस की। इस मुकाबला 5-5 पर बराबर था तब जब्बर ने दो ब्रेक पॉइंट अर्जित किये, लेकिन हद्दाद मैया ने दोनों बार ही उन्हें जीतने नहीं दिया। तीसरे सेट में हद्दाद मैया ने तेजी के साथ 3-0 की बढ़त बनाई, लेकिन जब्बर ने भी संघर्ष करते हुए एक गेम अपने नाम किया। जब हद्दाद मैया 5-1 से आगे थीं तब जब्बर ने सर्व करते हुए चार अग्रयापित गलतियाँ कीं, जिन्होंने हद्दाद मैया को सेमीफाइनल में पहुंचा दिया।

डब्ल्यूटीसी फाइनल के पहले दिन ऑस्ट्रेलिया ने 327 रन बनाए

लंदन, 7 जून। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूसी) के फाइनल का पहला दिन ऑस्ट्रेलिया के नाम रहा है। द ओवल मैदान पर ऑस्ट्रेलियाई टीम ने स्टंप्स तक तीन विकेट पर 327 रन बना डाले हैं। ट्रेविस हेड 146 और स्टीव स्मिथ 95 रन पर नाबाद हैं। दोनों चौथे विकेट के लिए 251 रन की पार्टनरशिप कर चुके हैं। हेड करियर का 5वां शतक जमाया। वे फाइनल में शतक जमाने वाले पहले बल्लेबाज बने। स्टीव स्मिथ 38वीं फिफ्टी बनाकर नाबाद हैं। दिन की शुरुआत में भारतीय टीम ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला लिया।

टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम को शुरुआती झटके लगे। टीम ने 2 रन के स्कोर पर उस्मान ख्वाजा का विकेट गंवया। यहां ख्वाजा ज़ीरो पर आउट हुए। ख्वाजा के आउट होने के बाद डेविड वार्नर (43 रन) ने मार्नस लाबुशेन (26 रन) के साथ अर्धशतकीय साझेदारी कर पारी को संभाला।

पहले दिन के पहले सेशन में भारतीय गेंदबाजों का दबदबा रहा। कंगरू टीम ने 73 रन बनाये में 2 विकेट गंवा दिए हैं। डीन टूंक पर शमी-सिराज की जोड़ी ने रिविंग से अपना जलवा दिखाया और चौथे



ओवर की चौथी बॉल पर टीम को पहली सफलता मिल गई। यहां सिराज ने ख्वाजा को पवेलियन भेजा। 2 रन के स्कोर पर पहला विकेट गंवाने के बाद वार्नर-लाबुशेन के बीच 69 रनों की साझेदारी हुई। इस साझेदारी को शार्दूल ठाकुर ने तोड़ा। दिन का दूसरा सेशन ऑस्ट्रेलियाई टीम के नाम रहा। इस सत्र



में टीम ने एक विकेट खोकर 97 रन बनाए। सत्र की शुरुआत में ही लाबुशेन का विकेट गंवाने के बाद स्टीव स्मिथ ने ट्रेविड हेड के साथ 164 बॉल पर 94 रन की नाबाद साझेदारी की।

दिन के आखिरी सेशन में भी ऑस्ट्रेलियाई बैटर हावी रहे। इसमें भारतीय गेंदबाज एक भी विकेट लेने

मोइन अली ने टेस्ट से रिटायरमेंट वापस लिया

जैक लीच की जगह इंग्लैंड की एशेज टीम में शामिल, सीरीज 16 जून से

नई दिल्ली, 7 जून। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर मोइन अली ने टेस्ट क्रिकेट से अपना रिटायरमेंट वापस ले लिया है। उन्होंने टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स, इंग्लैंड के हेड कोच ब्रैंडन मैककुम और इंग्लैंड क्रिकेट के मैनेजिंग डायरेक्टर रॉबर्ट कोसे से बातचीत के बाद यह फैसला किया। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी है। मोइन अली ने साल 2021 में टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। हालांकि वनडे और टी-20 में खेलना जारी रखा। अब एशेज सीरीज से पहले उन्होंने अपनी वापसी कर ली है। मोइन अली को स्पिनर जैक लीच के जगह पर टीम में शामिल किया गया है। 16 जून से शुरू होगी एशेज सीरीज



इंग्लैंड के गेंदबाज जैक लीच पीट के निचले हिस्से में स्ट्रेच फ्रैक्चर के कारण एशेज से बाहर हो गए हैं। लीच की जगह मोइन अली को एशेज सीरीज के लिए इंग्लैंड टीम शामिल किया गया है। एशेज सीरीज की शुरुआत 16 जून से होगी और 31 जुलाई तक यह खेला जाएगा।

मोइन अली का टेस्ट करियर मोइन अली ने इंग्लैंड के लिए साल 2014 में टेस्ट डेब्यू किया था। इसके बाद सितंबर 2021 में भारत के खिलाफ इन्होंने अपना आखिरी टेस्ट खेला था। उन्होंने इंग्लैंड के लिए कुल 64 टेस्ट मैच खेले जिसमें 5 शतक और 14 अर्धशतक के साथ 2914 रन बनाए। टेस्ट में उनके नाम 195 विकेट हैं। एशेज सीरीज के लिए इंग्लैंड की टीम बेन स्टोक्स (कप्तान), जेम्स एंडरसन, जोनाथन बेयरस्टो, मोइन अली, स्टुअर्ट ब्राड, हैरी ब्रूक, जैक क्रॉली, बेन डकेट, डैन लॉरिस, ओली पॉप, मैथ्यू पॉट्स, ओली रॉबिन्सन, जो रूट, जोश टैट, क्रिस वोक्स और मार्क वुड।

डब्ल्यूसी फाइनल से पहले कोहली बोले-

ऑस्ट्रेलिया अब टीम इंडिया को हलके में नहीं लेता, टेस्ट टीम के रूप में भारत को रेस्पेक्ट मिला

नई दिल्ली, 7 जून। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल से पहले टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने कहा, भारतीय टेस्ट टीम ने ऑस्ट्रेलिया को उसकी ही सरजमीं पर दो बार हराकर सम्मान हासिल कर लिया है, अब टीम इंडिया को एक टेस्ट टीम के रूप में हमें हलके में नहीं लिया जा सकता। कोहली ने एक स्पोर्ट्स चैनल से कहा, शुरुआत में प्रतिद्वंद्विता काफी कड़ी थी, माहौल भी काफी तनावपूर्ण हुआ करता था। लेकिन जब से हमने ऑस्ट्रेलिया को दो बार जीत हासिल की है, प्रतिद्वंद्विता सम्मान में बदल गई है और अब हमें एक टेस्ट टीम के रूप में हलके में नहीं लिया जाता है।

उन्होंने आगे कहा, हम उस सम्मान को महसूस कर सकते हैं जब हम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलते हैं कि हमें उन्हें उनकी सरजमीं पर लगातार दो बार हराया है और यह बराबरी की कदम तक नहीं है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बुधवार से द ओवल में फाइनल खेला जाएगा। भारत ने इसी साल मार्च में खेले गए बॉर्डर-गावस्कर सीरीज में ऑस्ट्रेलिया को 2-1 से हराया था। कोहली ने कहा, मैं उस मानसिकता को समझता हूँ कि सभी 11 खिलाड़ियों की सोच एक तरह की है और वे प्रत्येक मौके का फायदा उठाने की कोशिश करते हैं। इसलिए इस टीम

(ऑस्ट्रेलिया) के खिलाफ मेरा मोटिवेशन बढ़ जाता है जो इतनी अवेर और कॉम्पिटिटिव है कि मुझे अपने खेल के स्तर को ऊपर उठाना पड़ता है। भारत के पूर्व कप्तान का मानना है कि फाइनल का नतीजा ओवल में टीमों को परिस्थितियों से तालमेल बिठाने और अपनी पर निर्भर करेगा। बता दें, ऑस्ट्रेलिया और भारत दोनों का द ओवल में रिकॉर्ड कुछ खास नहीं है। ओवल में ऑस्ट्रेलिया ने अपने 38 टेस्ट मैचों में से सिर्फ सात जीते हैं, वहीं भारत 14 मैचों में सिर्फ दो में जीत हासिल कर पाया है। कोहली ने कहा, "मुझे लगता है कि ओवल चुनौतीपूर्ण होगा, हमें सपाट विकेट नहीं मिलेगा और बल्लेबाजों को सतर्क रहने की जरूरत है।

उन्होंने कहा, ओवल में बल्लेबाजी के लिए जाते वक्त आप एक खास तरह की कंडिशन को उम्मीद नहीं कर सकते। इसलिए हमें सामंजस्य और तालमेल बसलना होगा। दोनों टीम के लिए न्यूट्रल वेन्यू पर यह एक मैच है, जो टीम बेहतर तालमेल बिठाएगी, चंदी जीतगी। यही की खूबसूरती है। के डेब्यू सीजन के फाइनल में भारत को न्यूजीलैंड से हार मिली। टीम इंडिया फाइनल में दो स्पिनरों के साथ खेलकर गलती की थी, जबकि परिस्थितियाँ तेज गेंदबाजों के अनुकूल थीं।

पहलवानों के गृहमंत्री से मिलने के बाद बड़ा बदलाव

रेसलर्स की इयूटी जॉइन, बृजभूषण पर दिल्ली पुलिस की सख्ती, 9 का खापों का कार्यक्रम रद्द

पानीपत, 7 जून। रेसलर्य और पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण विवादा में नई संसद बनने के सामने 28 मई को हंगामे और पहलवानों की सामने आने के बाद गृह मंत्रालय एक्टिव हुआ 4 जून को गृहमंत्री अमित शाह के घर बजरंग विनेश और साक्षी मलिक ने उनसे मुलाकात की जो 2 घंटे चली। इस मुलाकात में कोई तीसरा पक्ष मौजूद नहीं था। बृजभूषण सिंह की गिरफ्तारी की मांग को लेकर 23 अंश के से बड़ा प्रदर्शन कर रहे पहलवान अचानक साइलेंट हो गए। इसका बड़ा कारण अमित शाह से मुलाकात माना जा रहा है। इस बड़ा कारण यह भी है कि इसके तुरंत बाद पहलवानों ने अपनी इयूटी जॉइन कर ली। हालांकि बजरंग, विनेश और साक्षी ने साफ किया है कि वह अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए नौकरी पर लौटे हैं, लेकिन इंसाफ के लिए उनकी लड़ाई जारी रहेगी। इस पूरे विवाद की वजह से भाजपा के अंदर भी बैचैनी है। का एक बड़ा घड़ा बृजभूषण सिंह के खिलाफ कार्रवाई के पक्ष में है।

मुजफ्फरनगर के सांसद और केंद्रीय राज्य मंत्री डॉक्टर संजीव बालियान ने पहलवानों से बात की। उनकी मुलाकात केंद्र में एक शीर्ष नेता से कराने का भरोसा दिया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, भागपत के सांसद सत्यपाल सिंह भी इस विवाद में मध्यस्थ की भूमिका में नजर आए। केंद्र सरकार किसी भी तरह से पहलवानों के मामले को शांत कराने की ठान चुकी थी, इसलिए पहलवानों के साथ बातचीत का दोतरफा संवाद शुरू हुआ। एक तरफ हरियाणा और दूसरी ओर यूपी के नेता, इसके

लिए आगे आए। हरियाणा से जुड़े एक खाप प्रतिनिधि के मुताबिक, जंतर मंतर से लाने केरल हाउस में पहलवानों और केंद्र सरकार के मध्यस्थों की बैठक हुई। यह बैठक मई के अंतिम सप्ताह में हुई थी। यहीं से पहलवानों के साथ अमित शाह की मुलाकात का रास्ता खुला।

शाह की बैठक के लिए हरियाणा से राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा, चरखी दादरी के विधायक सोमबीर सांगवान और भाजपा शासित एक बड़े प्रदेश के राज्यपाल प्रयासरत रहे। खास बात यह है कि हरियाणा से कार्तिकेय शर्मा बतौर निर्दलीय प्रत्याशी, राज्यसभा पहुंचे थे। सोमबीर सांगवान भी निर्दलीय विधायक हैं। उन्होंने गत विधानसभा चुनाव में भाजपा नेता और पहलवान बबिता फोगाट को हराया था।

हरिद्वार में नरेश टिकैत ने पहलवानों से 5 दिन मांगे थे। उन्होंने भरोसा दिलाया था कि इस अवधि में खाप पंचायत एवं किसान संगठन कुछ न कुछ करेंगे। सोरम में हरियाणा, उत्तर प्रदेश और दिल्ली के खाप प्रतिनिधियों की बैठक हुई। माना जा रहा था कि बैठक में कोई बड़ा निर्णय होगा, लेकिन राकेश टिकैत ने कहा, पंचायत ने फैसला ले लिया है और इसकी जानकारी कुरुक्षेत्र में होने वाली खाप पंचायत में दी जाएगी।

खास बात है कि यही वो पंचायत थी, जब पहली बार यह आवाज सुनाई पड़ी कि पहलवानों का आंदोलन हाईजैक हो रहा है। खाप प्रतिनिधियों के बीच मनमुटाव जैसा कुछ दिखा। कुरुक्षेत्र की पंचायत में कुछ हरियाणा और दूसरी ओर यूपी के खास नहीं हुआ। वहां भी सरकार को 9 जून

तक का समय दे दिया। अगर इस अवधि में बृजभूषण सिंह को गिरफ्तार नहीं किया गया तो किसान संगठन एवं खाप पंचायतें, दोबारा से पहलवानों को लेकर जंतर मंतर पर पहुंच जाएंगी। जिस वक्त कुरुक्षेत्र की खाप पंचायत चल रही थी, उसी समय खबर आई कि बृजभूषण सिंह की अयोध्या में होने वाली रैली स्थगित कर दी गई है। ये संयोग नहीं था, बल्कि पहलवानों के आंदोलन में केंद्र सरकार की एंटी का इफेक्ट था।

एक जून को यूपी के मुजफ्फरनगर के सोरम में आयोजित महापंचायत में 5 राज्यों की खापों ने भाग लिया था। यहां पर पहलवान भी पहुंचे थे। इस पंचायत के दौरान खाप प्रतिनिधियों के पास गृह मंत्रालय से कॉल आनी शुरू हुई। जिस कॉल में इस मुद्दे पर बातचीत के जरिए हल निकालने जैसी बात कही गई थी। जिस पर खाप प्रतिनिधियों ने कहा था कि वे इस बारे में पहलवानों से बात करें। उनकी संतुष्टि होनी जरूरी है। उम्मीद जताई जा रही है कि इसी दिन से ही की बैठक हुई। माना जा रहा था कि बैठक में कोई बड़ा निर्णय होगा, लेकिन राकेश टिकैत ने कहा, पंचायत ने फैसला ले लिया है और इसकी जानकारी कुरुक्षेत्र में होने वाली खाप पंचायत में दी जाएगी।

खास बात है कि यही वो पंचायत थी, जब पहली बार यह आवाज सुनाई पड़ी कि पहलवानों का आंदोलन हाईजैक हो रहा है। खाप प्रतिनिधियों के बीच मनमुटाव जैसा कुछ दिखा। कुरुक्षेत्र की पंचायत में कुछ हरियाणा और दूसरी ओर यूपी के खास नहीं हुआ। वहां भी सरकार को 9 जून

तक का समय दे दिया। अगर इस अवधि में बृजभूषण सिंह को गिरफ्तार नहीं किया गया तो किसान संगठन एवं खाप पंचायतें, दोबारा से पहलवानों को लेकर जंतर मंतर पर पहुंच जाएंगी। जिस वक्त कुरुक्षेत्र की खाप पंचायत चल रही थी, उसी समय खबर आई कि बृजभूषण सिंह की अयोध्या में होने वाली रैली स्थगित कर दी गई है। ये संयोग नहीं था, बल्कि पहलवानों के आंदोलन में केंद्र सरकार की एंटी का इफेक्ट था।

एक जून को यूपी के मुजफ्फरनगर के सोरम में आयोजित महापंचायत में 5 राज्यों की खापों ने भाग लिया था। यहां पर पहलवान भी पहुंचे थे। इस पंचायत के दौरान खाप प्रतिनिधियों के पास गृह मंत्रालय से कॉल आनी शुरू हुई। जिस कॉल में इस मुद्दे पर बातचीत के जरिए हल निकालने जैसी बात कही गई थी। जिस पर खाप प्रतिनिधियों ने कहा था कि वे इस बारे में पहलवानों से बात करें। उनकी संतुष्टि होनी जरूरी है। उम्मीद जताई जा रही है कि इसी दिन से ही की बैठक हुई। माना जा रहा था कि बैठक में कोई बड़ा निर्णय होगा, लेकिन राकेश टिकैत ने कहा, पंचायत ने फैसला ले लिया है और इसकी जानकारी कुरुक्षेत्र में होने वाली खाप पंचायत में दी जाएगी।

खास बात है कि यही वो पंचायत थी, जब पहली बार यह आवाज सुनाई पड़ी कि पहलवानों का आंदोलन हाईजैक हो रहा है। खाप प्रतिनिधियों के बीच मनमुटाव जैसा कुछ दिखा। कुरुक्षेत्र की पंचायत में कुछ हरियाणा और दूसरी ओर यूपी के खास नहीं हुआ। वहां भी सरकार को 9 जून तक का समय दे दिया। अगर इस अवधि में बृजभूषण सिंह को गिरफ्तार नहीं किया गया तो किसान संगठन एवं खाप पंचायतें, दोबारा से पहलवानों को लेकर जंतर मंतर पर पहुंच जाएंगी। जिस वक्त कुरुक्षेत्र की खाप पंचायत चल रही थी, उसी समय खबर आई कि बृजभूषण सिंह की अयोध्या में होने वाली रैली स्थगित कर दी गई है। ये संयोग नहीं था, बल्कि पहलवानों के आंदोलन में केंद्र सरकार की एंटी का इफेक्ट था।

// ओवल में डब्ल्यूटीसी फाइनल, ये मैदान इंडिया के लिए खास //

यहीं भारत ने इंग्लैंड को पहली बार उसके घर में हराया

नई दिल्ली, 7 जून। द ओवल, इंग्लैंड का क्रिकेट ग्राउंड इंडिया के लिए बेहद खास है। इस मैदान पर टीम इंडिया ने ऐसी कई यादगार परफॉर्मेंस दी हैं, जिन्होंने भारतीयों को गर्व से भर दिया। सबसे खास पल तब आया, जब रेंडिये पर कान लगाए क्रिकेट फैस हर बॉल, हर शॉट का लुफ्त उठाते थे। 1971 में भारत को आजाद हुए 24 साल बीत चुके थे। इंडिया की टीम इंग्लैंड दौर पर गई और 3 मैचों की टेस्ट सीरीज का निर्णायक मैच ओवल के मैदान पर खेला गया। अजित वाडेकर की कप्तानी में भारत ने यह मैच और सीरीज जीती। यह पहली बार था जब भारत ने इंग्लैंड को इंग्लैंड में शिकस्त दी थी। इसी वजह से ओवल का मैदान इंडियन क्रिकेटर्स और फैस के लिए किसी पवित्र जगह जैसा बन गया। इस मैदान से जुड़ी भारत की खास परफॉर्मेंस... पटौटी की जगह वाडेकर कप्तान बनें, वेस्टइंडीज को हराकर इंग्लैंड आए

नवाब पटौटी की जगह टीम इंडिया की कप्तानी अजित वाडेकर को सौंपी गई थी। वाडेकर की टीम ने फरवरी-मार्च के बीच वेस्टइंडीज की टीम को 5 मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 से हराया था। इसके बाद टीम जुलाई-अगस्त में इंग्लैंड गई। सीरीज 3

टेस्ट मैच की थी। इंग्लैंड के लॉर्ड्स और मैनचेस्टर में खेले गए मुकाबले ड़ा रहे थे और निर्णायक मैच ओवल में 19 से 24 अगस्त के बीच हुआ। इंग्लैंड ने पहली पारी में 355 का स्कोर बनाया, विकेटकीपर नॉट ने खेली विस्फोटक पारी इंग्लैंड के कप्तान र इलिंगवर्थ ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनी और टीम ने 355 का स्कोर बनाया। विकेटकीपर बैट्टर ऐनन नॉट ने 90 रनों की पारी खेली। उन्होंने इस पारी में 11 चौके और एक छक्का लगाया। भारत की ओर से एकनाथ सोलंकर ने 3 विकेट लिए। भारत ने भी टक्कर दी और 284 का स्कोर बनाया। फारूख इंजीनियर ने 59 रनों की पारी खेली। इंग्लिश कप्तान इलिंगवर्थ ने 5 विकेट लिए। चंद्रशेखर का कमाल और इंग्लैंड 101 पर ऑलआउट, रेस्टोरेट ने सूप का नाम चंद्रशेखर रखा

दूसरी पारी में इंग्लैंड महज 101 रन पर ऑलआउट हो गई। भागवत चंद्रशेखर ने 38 रन देकर 6 विकेट लिए। इंग्लिश बल्लेबाज उनकी लेग ब्रेक और टॉप स्पिन को समझ नहीं सके। अजित वाडेकर ने अपनी ऑटोबायोग्राफी में लिखा था कि चंद्रशेखर का वो स्पेल उनकी जिंदगी का यादगार

स्पेल था। मैच खत्म होने के बाद एक इंडियन रेस्टोरेट ने अपने सूप का नाम चंद्रशेखर सूप रख दिया। 173 का टारगेट मिला, वाडेकर-सरदेसाई के बाद इंजीनियर ने खेली विजयी पारी भारत को 173 का टारगेट मिला। अजित वाडेकर (45),दिलीप सरदेसाई (40) औरगुंडप्पा विश्वनाथ (33) ने अच्छी पारियां खेलीं। एक मौके पर इंडिया के 5 विकेट गिर चुके थे और क्रिक पर आए फारूख इंजीनियर उन्होंने 28 रन की अहम पारी खेली। विश्वनाथ के साथ साझेदारी कर टीम को जीत तक पहुंचाया। हालांकि जीत मिलने तक विश्वनाथ क्रिक पर नहीं थे। 3 रन बाकी रहते वो आउट हो गए। सैयद आबिद अली ने चौका मारकर ऐतिहासिक जीत दिलाई। एकनाथ सोलंकर का सुपर कैच एक पल ऐसा भी था, जब अजित वाडेकर के माथे पर शिकन थी। वजह थे एलन नॉट, जिन्होंने पहली इनिंग में 90 रन की पारी खेली थी। वाडेकर जानते थे कि वो जीत दूर ले जा सकते हैं। अभी नॉट ने एक रन ही बनाया था। बॉल धमाई गई वेंकटराघवन को और शॉर्ट लेग पर खड़े थे एकनाथ सोलंकर। नॉट ने शॉट खेला और गेंद शॉर्ट लेग की

